Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to confer 'Bharat Ratna' award to Lok Shahir Annabhau Sathe for his social services.

श्री राहुल रमेश शेवाले (मुम्बई दक्षिण-मध्य): माननीय अध्यक्ष जी, मैं सदन का ध्यान भारत में दलितों के उत्थान के लिए लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे जी के योगदान की तरफ आकर्षित करना चाहता हूं । स्वर्गीय तुकाराम भाऊराव साठे जिन्हें लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे के नाम से जाना जाता है, महाराष्ट्र के समाज सुधारक, लोक कवि और लेखक रहे हैं ।

अण्णाभाऊ साठे जी ने मराठी भाषा में 35 उपन्यास लिखे हैं । साठे जी की लघु कथाओं के 15 संग्रह हैं, जिनमें बड़ी संख्या में कई भारतीय और 27 गैर भारतीय भाषाएं हैं, का अनुवाद किया गया है । उपन्यास और लघु कथाओं के अलावा साठे जी के नाटक 'रूस पर एक यात्रा वृत्तांत', 12 पटकथाओं और मराठी पवाड़ा शैली में दस गाथा गीत भी लिखे हैं । साठे जी ने पवाड़ा और लावणी जैसी लोक कथात्मक शैली को लोकप्रिय बनाने और उनके नाम कोकोई समुदाय में पहुंचाने में मदद की है । साठे जी ने बाबा साहेब अम्बेडकर की शिक्षाओं का अनुसरण करते हुए दलित सक्रियता की ओर रुख किया और अपनी कहानियों का उपयोग दलितों और श्रमिकों के जीवन के अनुभव को बढ़ाने के लिए किया । इस कारण से लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे जी को 1 अगस्त, 2002 को इंडिया पोस्ट द्वारा 4 रुपये का विशेष डाक टिकट इश्यू करके सम्मान के साथ याद किया गया । इसके अलावा पुणे में लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे स्मारक और कुरला में फ्लाई ओवर सहित इमारतों का नाम उनके नाम पर रखा गया ।

मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि दलितों के उत्थान के लिए लोकशाहीर अण्णाभाऊ साठे द्वारा प्रदान की गई सार्वजनिक सेवा को

मान्यता देने के लिए उन्हें देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' प्रदान करके सम्मानित किया जाए । धन्यवाद ।

माननीय अध्यक्ष: डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे और श्री श्रीरंग आप्पा बारणे को श्री राहुल रमेश शेवाले द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।